नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 21 जुलाई 2016
www.naidunia.com

जानलेवा हो सकती है सोशल मीडिया पर किसी अनजान से दोस्ती

कई मौकों पर लगता है कि डिजिटल दुनिया में रहना किसी खतरे से कम नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे सामने कोई नहीं होता, होती है तो सिर्फ स्क्रीन, फिर चाहे वो कम्प्यूटर की हो, लैपटॉप की या मोबाइल फोन की। असली दुनिया में हमारे सामने वो शख्स मौजूद रहता है जिससे हम संपर्क में रहते हैं और हम उसके बारे में अंदाजा लगा सकते हैं लेकिन वर्चुअल वर्ल्ड में ऐसा नहीं होता है। ऐसे में हमारे लिए सावधानियां और सुरक्षा ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।

वरुण कपूर
आईपीएस

इन हालातों में जो व्यक्ति डिजिटल दुनिया में है उसे स्ट्रीट स्मार्ट होना जरूरी है। यह ठीक वैसा ही है जैसे हम किसी अनजान आदमी से मिलते हैं। सड़क पर जा रहे बिना पहचान वाले किसी व्यक्ति से हम परिचय बढ़ाने में कई सावधानियां रखते हैं। ना उसके साथ तत्काल मित्रता कर लेते हैं ना ही उसका आमंत्रण स्वीकार करते हैं। सड़क पर मिले किसी अनजान से ना तो हम अपने घर का पता बताते हैं ना ही फोन नंबर। ऐसे आदमी को हम अपनी कोई भी निजी जानकारी या परिवार के बारे में कोई बात करने के पहले कई बार सोचते हैं यहां तक की अपना फोटो भी उसे नहीं देते हैं। तो फिर यह सब हम वर्चुअल वर्ल्ड में क्यों कर लेते हैं..? क्या ऐसा करने के पहले हम कुछ देर ठहरकर सोचते हैं कि हमें क्या ऐसा करना चाहिए? जब भी हमें कोई फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता है तो हमारे सामने उसके फोटो, नाम के अलावा कुछ नहीं होता। दोनों के बीच जो कॉमन फ्रेंड होते हैं वे भी उसकी पहचान साबित करने के लिए मौजूद नहीं होते या कहें कि उसमें मददगार नहीं होते। फिर भी हम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिले अनजान व्यक्ति को हमारे जीवन से जुड़ी जानकारियां हासिल करने का मौका दे देते हैं। हमारी तस्वीरें, डेटा, हम कहां, क्या कर रहे हैं हम क्या सोचते हैं, ऐसी कई जानकारियां उस अनजान दोस्त के साथ साझा करने लगते हैं। इसका मतलब है हम कॉमन सेंस का उपयोग नहीं कर रहे हैं या हम स्ट्रीट स्मार्ट नहीं हैं और इसिलिए हमने खुद को किसी अनजान के सामने उजागर कर दिया है।

मुंबई के 16 साल के अदनान पात्रावाला का मामला इसी पर रोशनी डालने में हमारी मदद कर सकता है कि किसी अनजान के साथ के साथ वर्चुअल वर्ल्ड में जानकारी साझा करना कितना खतरनाक हो सकता है। 11 वीं में पढ़ने वाले अदनान के पिता शहर के जाने-माने और रईस बिल्डर हैं। एक दिन सोशल साइट ऑर्कुट पर अदनान को एंजल नाम से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। अदनान स्ट्रीट

स्मार्ट नहीं था सो उसने फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार किया और अगले एक महिने तक बिना यह सोचे कि ये उसकी जान के लिए खतरा भी हो सकता है दिन-रात बात करने लगा। दोनों के बीच इतनी दोस्ती हो गई की अदनान अपने कई राज अनजान दोस्त के साथ ऑर्कुट पर साझा करने लगा। अदनान इस बात से अनजान था कि यह सब उसे किसी दलदल में खींच रहा है जो जानलेवा साबित हो सकता है या उसे और उसके परिवार को तबाह कर सकता है।

18 अगस्त 2007 को अदनान ने ऑर्कुट दोस्त एंजल को चैट के दौरान यह जानकारी दी कि वो घर में अकेला है और उसके माता-पिता शहर के बाहर गए हुए हैं। तभी अदनान को एंजल ने घर के बाहर मलाड के ऑर्बिट मॉल में मिलने बुलाया। अदनान भी जोश में अपने पिता की स्कोडा गाड़ी लेकर एंजल से मिलने चला गया। इसके बाद अदनान कभी घर नहीं लौटा। उसके पिता ने पुलिस स्टेशन मेंअपने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट लिखवाई।

अगले दिन अदनान के पिता को 2 करोड़ की फिरौती की रकम के लिए फोन आया जो अदनान को अपहरण से आजाद करने के एवज में था। पुलिस इस मामले में हरकत में आती इसके पहले ही एक और दहला देने वाली सूचना मिली की अदनान की लाश मलाड के जंगल में पड़ी हुई है। इस खबर ने पूरे शहर को हिला के रख दिया। अब पुलिस अनजान अपराधियों की तलाश में जुट गई।

एंजल नाम से दोस्तों ने ही बनाया था नकली अकाउंट

पुलिस ने अदनान के दोस्तों से पूछताछ की और पता चला कि वो किसी से ऑर्कुट पर बात करता था। पुलिस ने अदनान के ऑर्कुट अकाउंट की जानकारी निकाली तो हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। एंजल एक नकली अकाउंट था, जो अदनान के ही 5 दोस्तों ने साजिश के तहत मिलकर बनाया था। ये दोस्त अदनान से एक गेमिंग पार्लर में उससे मिले थे और वहीं से दोस्ती बढ़ती गई। आरोपियों को जब पता चला कि अदनान एक रईस पिता की संतान है तो उन्होंने अपने कर्ज निपटाने और खर्च निकालने के लिए उसे जाल में फंसाकर पैसा हासिल करने की सोची। चूंकि वे पेशेवर अपराधी नहीं थे इसलिए मामले के मीडिया में आते ही वे डर गए और उन्होंने अदनान की हत्या कर दी।

इस घटना से हम इस नतीजे पर पहुंच सकते हैं कि सोशल साइट पर किसी अनजान से चैटिंग या निजी जानकारी साझा करना मुश्किल में डाल सकता है।

(लेखक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर इंदौर में पदस्थ हैं और विचार उनके व्यक्तिगत हैं)
ईमेल: varunkapoor170@gmail.com